भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) एक एकीकृत विद्युत संयंत्र उपकरण निर्माता कंपनी है, जो भारत में इंजीनियरिंग तथा निर्माण के क्षेत्र की अपने प्रकार की सबसे बड़ी कंपनी बनकर उभरी है। यह कंपनी, अर्थव्यवस्था के कोर क्षेत्रों जैसे विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन (रेलवे), नवीकरणीय ऊर्जा, तेल व गैस तथा रक्षा के विभिन्न उत्पादों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, उत्पादन, निर्माण, परीक्षण, कार्यचालन (कमीशनिंग) तथा इन क्षेत्रों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के कार्य से जुड़ी है। इन क्षेत्रों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भेल 180 से अधिक उत्पादों का निर्माण करती है। इस कंपनी के विविध उत्पादों की सूची में ताप बिजली संयंत्रों के लिए स्टीम टर्बाइन और जनरेटर, गैस टर्बाइन, हाइड्रो टर्बाइन, औद्योगिक टर्बो सेट, बॉयलर तथा बॉयलर के आनुषंगिक उपकरण, ताप एक्सचेंजर, दाब वेसेल, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर, डीसैलीनेशन संयंत्र, पंप, सौर पीवी, इंजन (लोकोमोटिव), एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली, नियंत्रण उपकरण, ट्रांसफार्मर, इन्सूलेटर एवं स्विचगियर आदि शामिल हैं। 1964 में भेल की स्थापना, भारत के भारी विद्युत उपकरण उद्योग के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि की मांग को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने भारी विद्युत उपकरणों के निर्माण के लिए तीन संयंत्रों की स्थापना का निर्णय लिया। पहला संयंत्र, उच्च दाब वाले बायॅलरों के निर्माण के उद्देश्य से तिरूचिरापल्लि (तमिलनाडु) में स्थापित किया गया। दूसरा संयंत्र, भाप टर्बो जनरेटरस और उच्च दाब वाले पंपों तथा कंप्रेसरों के निर्माण के लिए हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में बनाया गया और तीसरा संयंत्र, विशाल भाप टर्बो जनरेटिंग सेटों व मोटरों और टर्बाइन व जनरेटरों सहित हाइड्रो जनरेटिंग सेटों के निर्माण के लिए हरिद्वार (उत्तराखंड) में स्थापित किया गया। ये तीनों नई परियोजनाएं, हेवी इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लिमिटेड का हिस्सा थीं, जिसका कार्य भोपाल में प्रारंभ हुआ। नवंबर, 1964 में भारत सरकार ने इन तीनों यूनिटों की स्थापना तथा इनके प्रबंधन कार्य के लिए एक अलग निगम बनाने का निर्णय लिया। इस प्रकार, 13 नवंबर,1964 को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. की स्थापना हुई।

जनवरी, 1974 में हेवी इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि. और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. का औपचारिक रूप से विलय हो गया और सही मायने में एक आधुनिक वैश्विक उद्यम का उदय हुआ।

भेल आज दुनिया की उन चुनिंदा कंपनियों में है, जो संयंत्रों आदि से जुड़े हर प्रकार के विद्युत उपकरणों के निर्माण की क्षमता रखती है। यह कंपनी, प्रतिवर्ष 20,000 मेगावाट क्षमता के विद्युत उपकरणों का निर्माण करने में सक्षम है। निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, भेल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारत का विशालतम उद्यम बनकर उभरा है। 2013 में इसे 'महारत्न' का विशिष्ट दर्जा प्रदान किया गया। यह कंपनी 1971–72 से लगातार लाभ अर्जित करती रही है और 1976–77 से इसने अपने निवेशकों को प्रतिवर्ष अच्छे लाभांश का तोहफा प्रदान किया है। वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान, भेल का टर्नओवर 40,338 करोड़ रु. का रहा और इस दौरान इसने 3461 करोड़ रु. का निवल लाभ अर्जित किया। वर्ष 2012–13 इस कंपनी के लिए मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस दौरान इसका टर्नओवर, रिकार्ड 50,156 करोड़ रु. का रहा और इसने 6615 करोड़ रु. का निवल लाभ कमाया।

भेल ने विदेशों में भी अपनी व्यापक मौजूदगी दर्ज कराई है। इस कंपनी द्वारा निर्मित उपकरणों पर आधारित विद्युत सयंत्र 76 देशों में स्थापित है। मलेशिया, लीबिया, ओमान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, मिस्र और न्यूजीलैंड आदि देशों में स्थापित इन संयंत्रों की कुल क्षमता 10,000 मेगावाट तक पहुंच चुकी है।

डाक विभाग, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण	:	ब्रह्म प्रकाश
विरूपण	:	अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	6 लाख 0.6 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00

Bharat Heavy Electricals Limited

Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) is an integrated power plant equipment manufacturer which has emerged as one of the largest engineering and manufacturing companies of its kind in India, engaged in the design, engineering, manufacture, construction, testing, commissioning and servicing of a wide range of products and services for core sectors of the economy, viz. power, transmission, industry, transportation (Railways), renewable energy, oil and gas and defence, with over 180 product offerings to meet the needs of these sectors. The company's diverse product range includes steam turbines and generators for thermal power plants, gas turbines, hydro turbines, industrial turbo sets, boilers and boiler auxiliaries, heat exchangers, pressure vessels, electrostatic precipitators, desalination plants, pumps, solar PV, locomotives, integrated platform management system, control equipment, transformers, insulators and switchgears, to name a few. The establishment of BHEL in 1964 was a breakthrough in the creation of India's heavy electrical equipment industry.

To cater to the increase in demand for power generating capacity, a decision was taken by the Government of India to set up three plants for the manufacture of heavy electrical equipment. The first one was at Tiruchirappalli (Tamil Nadu) for high pressure boilers, the second one at Hyderabad (Andhra Pradesh) for steam turbo generators and high pressure pumps and compressors, and the third plant at Haridwar (Uttarakhand) for large steam turbo generating sets and motors and also hydro generating sets including turbines and generators. These three newly conceived projects were part of Heavy Electricals (India) Ltd. for which work was initiated at Bhopal. In November 1964, the government decided to create a separate corporation for setting up and managing these three units. Thus, Bharat Heavy Electricals Limited came into being on 13th November, 1964.

HE(I)L and BHEL were formally merged in January 1974 to create a truly modern global enterprise.

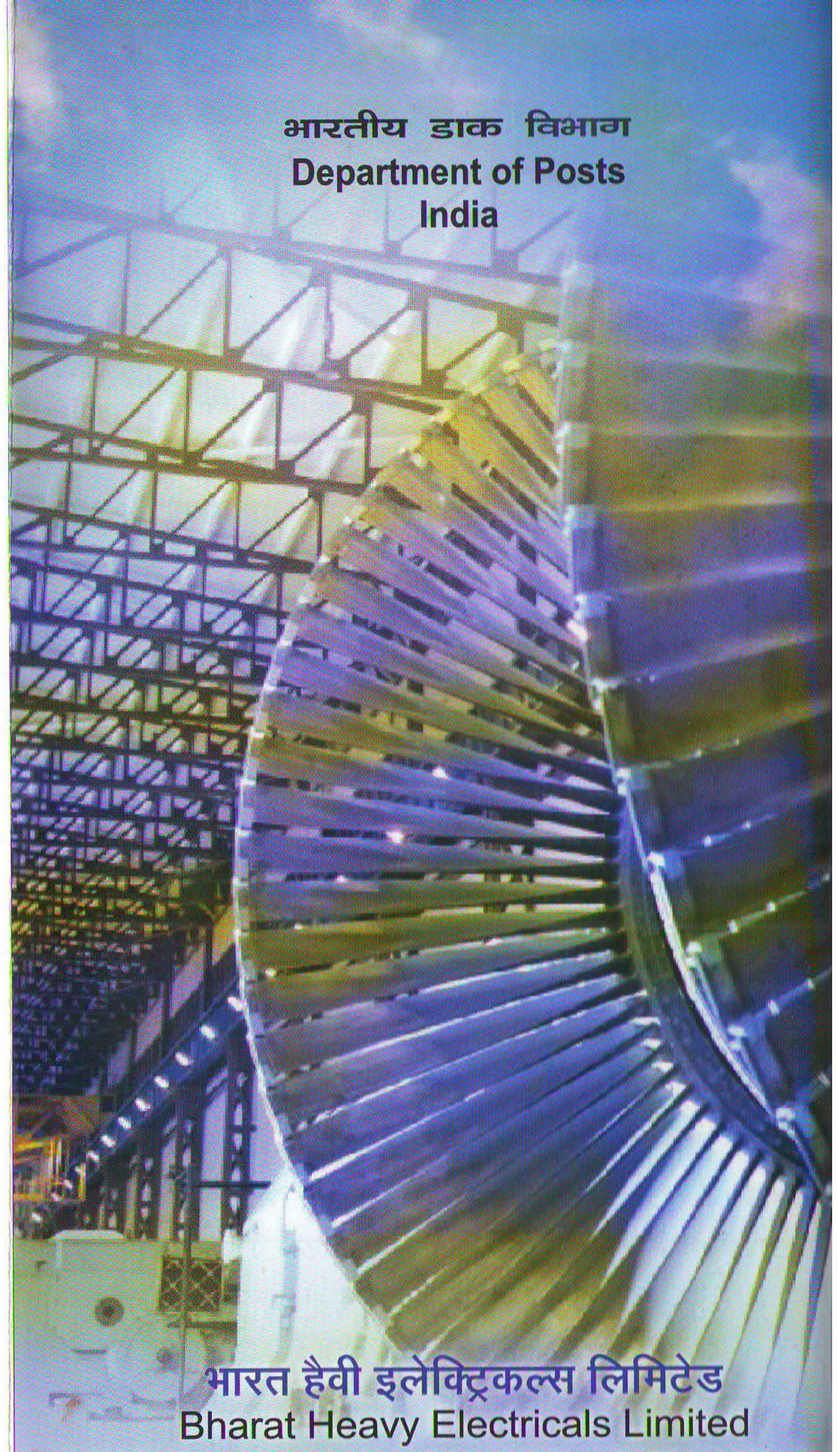
BHEL today is amongst world's few companies which have the capability to manufacture the entire range/type of power equipment and has the capability to deliver 20,000 MW of power equipment per annum. Through consistent high performance, BHEL has emerged as India's largest engineering enterprise and attained the coveted 'Maharatna' status in 2013. The Company has also had a track record of earning profits since 1971-72 and has been rewarding investors by playing dividends uninterruptedly every year since 1976-77. In the fiscal year 2013-14, BHEL clocked a turnover of Rs.40,338 Crore with a Net Profit of Rs.3,461 Crore. In the year 2012-13, the company achieved a milestone with a record turnover of Rs.50,156 Crore with net profit of Rs.6,615 Crore.

BHEL also has a widespread overseas footprint in 76 countries with the cumulative overseas installed capacity of BHEL manufactured power plants nearing 10,000 MW in countries such as Malaysia, Libya, Oman, Iraq, the UAE, Bhutan, Egypt and New Zealand.

Department of Posts is happy to issue a commemorative postage stamp on Bharat Heavy Electricals Ltd. to celebrate its Golden Jubilee.

Credits:-

Text	:	Based on the material provided by the proponent.
Stamp/FDC	:	Brahm Prakash
Cancellation	:	Alka Sharma



भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
Bharat Heavy Electricals Limited

विवरणिका
BROCHURE